खतरनाक है ड्रोन विमानों का प्रसार

भारत डोगरा

हाल के समय के युद्धों में एक अस्त्र जिसका उपयोग बहुत विवादास्पद रहा है वह है ड्रोन विमान। विशेषकर पाकिस्तान और अमरीका के सम्बंध बिगाड़ने का तो सबसे बड़ा मुद्दा ही यह बन गया कि पाकिस्तान के क्षेत्र में अमरीका के ड्रोन विमान बम क्यों गिरा रहे हैं?

ड्रोन शब्द का उपयोग सामान्यतः उन वायुयानों के लिए किया जाता है जिनमें कोई विमान चालक नहीं होते और उनका नियंत्रण रिमोट द्वारा वायरलेस तकनीक से किया जाता है। इस विमान का पूरा नाम 'अनमैन्ड एरियल वेहिकल' या 'मानवरहित वायुयान' है। ऐसे विमानों को चालू भाषा में ड्रोन विमान कहते हैं।

हालांकि आरंभ में ड्रोन का उपयोग चंद कि.मी. दूर की सूचनाएं एकत्र करने के लिए या चित्र लेने के लिए ही होता था, पर जैसे-जैसे इसकी तकनीक विकसित होती गई वैसे-वैसे 6000 से 7000 कि.मी. की दूरी से भी इसे नियंत्रित करना संभव हो गया है। इस तरह यह संभव हुआ कि अमरीका में बैठे रिमोट नियंत्रक इसके माध्यम से विशेष निशानों पर पाकिस्तान व अफगानिस्तान में बम बरसा रहे हैं। अमरीका ने इसका उपयोग यमन जैसे अन्य स्थानों पर भी किया है जबकि इस्राइल ने ड्रोन का उपयोग गाज़ा पट्टी में किया है।

कई मानवाधिकार संगठनों ने ड्रोन के उपयोग का विरोध किया है व इसके माध्यम से विशेष व्यक्तियों को निशाना बनाकर मारने को अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया है।

व्यावहारिक स्तर पर प्रायः ड्रोन का विरोध निशाना चूकने या गलत पहचान करने पर और भी ज़्यादा होता है क्योंकि ऐसे हमलों में आम लोग मारे जाते हैं जिनका आतंकवाद या युद्ध से कोई लेना-देना नहीं होता है।

जहां नैतिक आधार पर ड्रोन विमान के विरुद्ध आवाज़ें तेज़ हो रही हैं, वहीं इसका प्रसार भी तेज़ी से बढ़ रहा है तथा अनेक अन्य देश स्वयं ड्रोन विमान बनाने या अन्य देशों से ड्रोन विमान खरीदने का प्रयास कर रहे हैं।

एक अन्य चिंता यह भी व्यक्त की गई है कि भविष्य में ड्रोन की जो तकनीक विकसित की जाएगी इसमें इसका यंत्रीकरण और आगे बढ़ जाएगा जबकि इस पर मनुष्य का नियंत्रण और कम कर दिया जाएगा।

इससे पहले कि इस तकनीक का प्रसार नए-नए खतरे पैदा करे, इस बारे में अंतर्राष्ट्रीय विचार-विमर्श कर इस खतरनाक तकनीक को प्रतिबंधित/नियंत्रित करने के प्रयास तेज़ किए जाने चाहिए। ***(स्रोत फीचर्स)***

वर्ग पहेली 98 का हल

स्टे			क	शे	रु	क		जी
म	क	रं	द			टि		व
को		ज		स	ह	बं	ध	न
शि		क	ल	मी		ध		
का	न			क			ह	स्व
		आ		र	ज	त		तः
प्र	ति	क	र्ष	ण		ब		ज
जा		ल			प	ला	य	न
ति		न	र	भ	क्षी			न